

प्रेषक,

स्नेहलता अग्रवाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवायें,
उत्तरांचल, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-१

देहरादून: दिनांक: १० मार्च, 2005

विषय : राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु पुनर्विनियोग के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-लेखा-१/२००४-०५/ दिनांक २ फरवरी, २००५ के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वर्तमान वित्तीय वर्ष २००४-०५ में संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र के अनुसार आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु संलग्न प्रपत्र पुनर्विनियोग के अनुसार रु० ७०.०० (रु० ७० सत्तर लाख मात्र) की स्वीकृत सहर्ष प्रदान करते हैं।

२- इस धनराशि का उपयोग राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों के आवासीय/अनावासीय भवनों के सापेक्ष प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार नियोजन विभाग की सहमति के उपरान्त किया जाना सुनिश्चित होगा।

४- उक्त धनराशि को संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्रानुसार प्रस्ताव तत्काल प्रशासनिक विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित् करें ताकि यथासमय स्वीकृत धनराशि का उपयोग समय से किया जा सके।

५- इस संबंध में होने वाला व्यव इस वित्तीय वर्ष २००४-०५ के आय-व्ययक में उल्लिखित धनराशि संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र के कॉलम-५ में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा तथा पुनर्विनियोग प्रपत्र कॉलम-१ की बचतों से वहन किया जायेगा।

६- यह आदेश वित्त विभाग के अशा०सं-१५४८/वित्त अनु०-२/२००५ दिनांक ०५ मार्च, २००५ में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

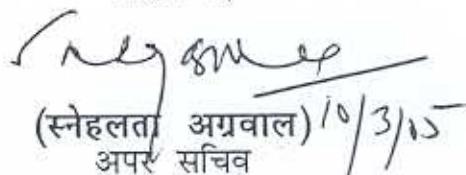
(स्नेहलता अग्रवाल)
अपर सचिव

संख्या: १६ / XXVIII-1-2005-43/2005 टी.सी. तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

१. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
२. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
३. वित्त अनुभाग-२।
४. गार्ड फाईल/एन.आई.सी।

आज्ञा से,



(स्नेहलता अग्रवाल) १०/३/०५
अपर सचिव